हिन्दी दैनिक

प्रकाश वेग

वर्ष–8 अंक–324 | R.N.I-UPHIN/2015/60230 | लखनऊ गुरूवार 24 नवम्बर, 2022 | पृष्ठ–04 | मूल्य– एक रूपये

बीजेपी के लिए व्यक्ति से बढ़कर पार्टी और पार्टी से बड़ा देश है : पीएम

पीएम मोदी ने कहा कि गुजरात में 12 लाख बहनें पशुपालन से जुड़ी हुई हैं और उन बहनों को सशक्त करने के लिए हमने तय किया कि डेयरी से जो पैसा आएगा वो सीधे बहनों के खाते में जाएगा।

प्रकाश वेग

गुजरात । दो चरणों में होने वाले गुजरात के विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम दलों की ओर से राजनीतिक तैयारियां तेज हो गई हैं और नेताओं की रैलियों का दौर भी बदस्तूर जारी है। बीजेपी की ओर से गुजरात फतह का जिम्मा प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कंधों पर उठा लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दूसरे चरण के चुनाव प्रचार के अंत तक गुजरात में लगभग 35 और रैलियों को संबोधित करेंगे। भाजपा नेताओं ने कहा कि 23 और 24 नवंबर को मेहसाणा, दाहोद, वडोदरा, भावनगर, पालनपुर, देहगाम, मटर और ढोलका में सभाओं को संबोधित करेंगे। इसी क्रम में आज पीएम नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मेहसाणा में जनसभा को संबोधित किया। मेहसाणा जिले को देश का पहला सूर्यग्राम होने का गौरव मिला और मोढेरा सूर्यग्राम के शुभारंभ के साथ ही मोढेरा की चमक पूरे विश्व में छा गई। इस बीच मेहसाणा जिला भी चमका। पीएम मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी पार्टी है जिसके लिए व्यक्ति से बढ़कर पार्टी और पार्टी से बड़ा देश है, यही हमारी संस्कृति है और हम इसी संस्कृति के साथ काम करते हैं। बिजली के क्षेत्र ने आज कमी को पूरा किया है, और गुजरात को इतनी ऊर्जा दी है, गुजरात को इतना उज्ज्वल बना दिया है। इस नरेंद्र, भूपेंद्र सरकार को जानवरों की भी उतनी ही चिंता है। देश भर में 14000 करोड़ रुपये का बजट खर्च कर मुफ्त पशु वध का अभियान चल रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि आज गुजरात में 12 लाख बहनें पशुपालन से जुड़ी हुई हैं और उन बहनों को सशक्त करने के लिए हमने तय किया कि डेयरी से जो पैसा आएगा वो सीधे बहनों के खाते में जाएगा। बता दें कि पार्टी राज्य के दूसरे चरण के मतदान वाले 93 विधानसभा क्षेत्रों में आज रैलियां करने वाली है। जनसभाओं में भाग लेने वाले नेताओं में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा और केंद्रीय मंत्री परषोत्तम रूपाला और मनसुख मंडाविया शामिल हैं।

मुख्यमंत्री योगी के पत्र पर केंद्र की यूपी को सौगात

पीएम आवास के लिए 10 हजार करोड़ स्वीकृत किए

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पत्र पर केंद्र सरकार ने प्रदेश में आवास निर्माण के लिए 10 हजार करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है।

प्रकाश वेग

लखनऊ । केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में यूपी को आठ लाख आवास निर्माण के लिए दस हजार करोड़ रुपये की मंजूर किए हैं। पीएम आवास योजना के तहत अब तक यूपी को 26 लाख आवास स्वीकृत हुए हैं। गौरतलब है कि आवास प्लस योजना के तहत पंजीकृत परिवारों को आवास उपलब्ध कराने के लिए यूपी को करीब 13 लाख आवास की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएम नरेंद्र मोदी व केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह को पत्र लिखकर 13 लाख आवास स्वीकृत करने का आग्रह किया था। इसके बाद चालू वित्तीय वर्ष में पहली बार यूपी को 8,62,767 आवास स्वीकृत किए गए हैं। इसके बावजूद आवास प्लस में पंजीकृत सभी परिवारों को आवास उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश को करीब सवा चार लाख और आवास की आवश्यकता है। ग्राम्य विकास आयुक्त जीएस प्रियदर्शी ने बताया कि अभी तक योजना में 25 लाख 87 हजार ग्रामीण परिवारों को आवास उपलब्ध कराए हैं। उधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर पीएम आवास के आभार जताया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के अनुरोध को स्वीकार कर सभी के लिए अपना घर सुनिश्चित करने के लिए पीएम मोदी और ग्रामीण विकास मंत्री का हृदय से आभार।

सत्येंद्र जैन के खाने को लेकर कोर्ट में हुई सुनवाई

प्रकाश वेग

दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन तिहाड़ जेल में बंद है। हालांकि इस दरमियान उनके दो वीडियो काफी वायरल हुए हैं। एक वीडियो में वह मसाज कराते दिखाई दे रहे हैं। सुनवाई के दौरान जैन के वकील ने कहा कि आप मीडिया में चीजें लिख नहीं कर सकते

हैं। जैन धर्म का पालन करते हुए वह फल खा रहे हैं। जेल मैनुअल के मुताबिक फल खाने की इजाजत है। इसके साथ ही दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन ने दिल्ली कोर्ट में एक अर्जी दाखिल कर अदालत से यह निर्देश देने की मांग की है कि मीडिया को उनसे संबंधित सीसीटीवी की किसी भी क्लिप को प्रसारित करने से रोका जाए। जबकि आज एक और वीडियो आया है। इसमें वह काफी वीआईपी खाना खाते दिखाई दे रहे हैं। इसी को लेकर अब मामला पूरी तरीके से कोर्ट में पहुंच गया है। कोर्ट ने आज इसको लेकर सुनवाई की। दिल्ली कि कोर्ट ने सत्येंद्र जैन के खानपान और उसमें बदलाव किए जाने पर तिहाड़ जेल के अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने अधिकारियों को बृहस्पतिवार दोपहर 2:00 बजे तक का समय भी दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने सत्येंद्र जैन की मेडिकल रिपोर्ट पर भी विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने के लिए कहा है। अधिकारियों ने इसके लिए समय मांगा जिसके बाद उन्हें सोमवार तक का समय दिया गया है।

नशे के लिए पैसे नहीं दिए तो परिवार के चार सदस्यो को उतारा मौत के घाट

प्रकाश वेग

नई दिल्ली। दिल्ली के पालम इलाके में एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी गई। एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या होने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने हत्या के आरोपी केशव (25) को गिरफ्तार कर लिया है। केशव ने अपने मां-बाप, दादी और बहन की हत्या की है। शुरूआती जांच में सामने आया है कि केशव नशे का आदी है और वह इसके लिए परिजनों से पैसे मांग रहा था। मना करने पर उसने बेरहमी से उनकी हत्या कर दी। आरोपी को नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया था, परिजन हाल ही में उसे नशा मुक्ति केंद्र से लेकर आए थे। आरोपी के मां-बाप की फाइल फोटो जानकारी के मुताबिक, जब पुलिस ने घर के अंदर जाकर

देखा तो वहां खून ही खून नजर आ रहा था। युवक ने बहन की हत्या कमरे में की, उसका शव वहीं फर्श पर पड़ा था। दादी का शव कमरे में बिस्तर पर मिला। वहीं मां-बाप का शव बाथरूम में दिख रहा है। घर के अंदर बेडरूम से बाथरूम तक खून ही खून फैला हुआ है। आरोपी केशव (25) ने अपनी दादी दीवानो देवी (75), पिता दिनेश (50) मां दर्शना और बहन उर्वशी (18) की हत्या की। आरोपी की दादी बताया जा रहा है कि आरोपी नशा करता था और घर वालों से पैसे मांगता था। घरवालों ने पैसे देने से मना कर दिया तो उसने घरवालों की हत्या की साजिश रची। घर वाले अलग-अलग फ्लोर पर रहते हैं तो उसने सभी को अलग-अलग फ्लोर पर जाकर मारा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, रात करीब 11:30 बजे सूचना मिली थी कि ऊपर वाले फ्लोर में चीखने चिल्लाने की आवाज आ रही है। पुलिस मौके पर पहुंची तो चारों तरफ खून बिखरा हुआ था और चारों लोग लहूलुहान हालत में पड़े हुए थे। उनको अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पालम पुलिस ने केशव को गिरफ्तार कर लिया है। पैसे देने से किया इनकार तो कर दी हत्या आरोपी केशव काफी समय से नशा करता था। वह गांजा पीता था। आए दिन घरवालों से पैसा मांगता था। रात को भी उसने सबसे पहले दादी से पैसे मांगे। दादी ने पैसे नहीं दिए तो उसने दूसरी मंजिल पर चाकू से गोदकर दादी की हत्या कर दी। इसके बाद उसने मां से मांगे। मां ने पैसे देने से मना कर दिया तो फिर मां की हत्या कर दी। इसके बाद उसने पिता और फिर सबसे आखिर में छोटी बहन उर्वशी की हत्या की। हत्या करने के बाद आरोपी भाग रहा था। चीखने चिल्लाने की आवाज के बाद चाचा जो कि पड़ोस में रहते हैं वह आए और आरोपी को भागते हुए पकड़ लिया। गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप की वजह से भी था परेशान आरोपी केशव कुछ समय पहले नौकरी कर रहा था उसके बाद नौकरी भी छूट गई। उसकी नशे की लत को लेकर लेकर परिवार वालों के साथ उसका झगड़ा होता था, केशव गाली गलौज करता था। रोज-रोज के इस झगड़े से वह तंग आ गया था। कुछ समय पहले उसका गर्लफ्रेंड से भी ब्रेकअप हुआ था, जिसकी वजह से भी वह परेशान भी था। रात को घर के सभी सदस्य जागे हुए थे जिसके बाद उसने वारदात को अंजाम दिया है एक एक करके मारा था।

गढ़डा में बोले जेपी नड्डा

विकास की राजनीति की संस्कृति और इसकी गंगोत्री है गुजरात

जेपी नड्डा ने कहा कि हम महात्मा गांधी जी के योगदान को नहीं भूल सकते, हम देश को एक सूत्र में पिरोने वाले सरदार साहब के योगदान को भी नहीं भूल सकते और आज भारत को आत्मनिर्भर बना रहे प्रधानमंत्री मोदी के योगदान को भी नहीं भूल सकते।

प्रकाश वेग

गुजरात । भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुजरात के गढ़डा में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना में 3.60 करोड़ पक्के मकान लोगों मिले और गुजरात में 15 लाख मकान मिले हैं... पीएम किसान सम्मान निधि के तहत पूरे देश में 11.78 करोड़ किसानों के खाते में हर चौथे महिने 2-2 हजार पहुंच रहे हैं। जेपी नड्डा ने कहा कि मोदी जी का सपना है कि इस देश में कोई भी बिना पक्की छत के नहीं रहेगा, हम ऐसी कल्पना को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। आज आप समझिए कि आपके वोट की क्या कीमत है। इस देश की स्थिति ये थी कि 70 साल से आम आदमी को मामूली से मामूली इलाज के लिए भटकना पड़ता था। जेपी नड्डा ने कहा कि आज इलाज के लिए 5 लाख रुपये सालाना का हेल्थ कार्ड मिल रहा है और ये किसी जाति के आधार पर नहीं बल्कि गरीब लोगों को मिल रहा है। आज देश में गरीब का इलाज मुफ्त में हो रहा है। आज विकास और विकासवाद कांग्रेस को चारों खाने चित कर रहा है। वो परिवारवाद को लेकर आगे बढ़ते थे और हम विकास को आगे बढ़ा रहे हैं। हमने यहां की स्थानीय समस्याओं को समाप्त करने का काम किया है। गुजरात मॉडल केवल एक विकास का मॉडल नहीं है बल्कि ये विकास की राजनीति की संस्कृति है और इस संस्कृति की गंगोत्री गुजरात है। जेपी नड्डा ने कहा कि हम महात्मा गांधी जी के योगदान को नहीं भूल सकते, हम देश को एक सूत्र में पिरोने वाले सरदार साहब के योगदान को भी नहीं भूल सकते और आज भारत को आत्मनिर्भर बना रहे प्रधानमंत्री मोदी के योगदान को भी नहीं भूल सकते।

कंबोडिया में बोले राजनाथ

हम ऐसे समय में मिल रहे जब दुनिया विघटनकारी राजनीति से बढ़ते संघर्ष को देख रही

भारत-आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए कंबोडिया के सिएम रीप पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज अपना संबोधन दिया। इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर चर्चा की।

प्रकाश वेग

वाशिंगटन । भारत-आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए कंबोडिया के सिएम रीप पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज अपना संबोधन दिया। अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने कहा कि हम ऐसे समय में मिल रहे हैं जब दुनिया विघटनकारी राजनीति से बढ़ते संघर्ष को देख रही है। दुनिया की सुरक्षा और समृद्धि के लिए शांतिपूर्ण इंडो-पैसिफिक, आसियान पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। हमें उम्मीद है कि दक्षिण चीन सागर विवाद पर चल रही बातचीत पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय कानून, विशेष रूप से यूएनसीएलओएस के अनुरूप होगी। इसके लिए वैध अधिकारों और हितों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा तत्काल और दृढ़ हस्तक्षेप की आवश्यकता वाला सबसे बड़ा खतरा अंतरराष्ट्रीय और सीमा पार आतंकवाद है। उदासीनता अब प्रतिक्रिया नहीं हो सकती है, क्योंकि आतंकवाद ने विश्व स्तर पर लोगों को पीड़ित किया है। साल 1992 से ही आसियान का भागीदार रहा भारत बता दें कि भारत 1992 से आसियान का भागीदार रहा है और पहली एडीएमएम प्लस बैठक 12 अक्टूबर, 2010 को हनोई, वियतनाम में आयोजित की गई थी।

श्रद्धा की चिट्ठी पर फडणवीस का बयान, तब एक्शन होता तो बच जाती जान

प्रकाश वेग

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने श्रद्धा की चिट्ठी पर कहा कि मामले पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। अगर कार्रवाई होती तो श्रद्धा की जान बचाई जा सकती थी। बता दें कि श्रद्धा की चिट्ठी सामने आई है जो उस वक्त में तमाम चीजों को लेकर पुलिस को लिखी गई थी। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि वो पत्र मेरे पास भी आया है। मैंने उसे देखा है, बहुत ही सीरियस पत्र है। उसके ऊपर क्यों कोई कार्रवाई नहीं हुई, इसके ऊपर जांच चलेगी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मैंने पत्र देखा (2020 में पुलिस को श्रद्धा की शिकायत) और इसमें बहुत गंभीर आरोप हैं। उस वक्त एक्शन होता तो श्रद्धा की जान बचाई जा सकती थी। पत्रकारों की तरफ से महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से पूछा गया कि श्रद्धा ने 2020 में महाराष्ट्र के तत्कालीन उद्धव सरकार को पत्र लिखा था। अगर उस वक्त कार्रवाई होती तो क्या श्रद्धा की जान बचाई जा सकती थी?

प्रेमिका से बलात्कार के आरोपी को अदालत ने दी जमानत

बीते साल प्रेमिका से बलात्कार के एक मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने आरोपी को जमानत दी है। साथ ही अदालत ने उसे कई निर्देश भी दिए हैं।

प्रकाश वेग

मुंबई । बॉम्बे हाईकोर्ट ने नाबालिग प्रेमिका से बलात्कार के आरोपी व्यक्ति को जमानत दे दी है। जमानत का आदेश देते हुए अदालत ने कहा कि घटना के समय भले ही लड़की नाबालिग थी, इसके बावजूद वह अपने कार्यों के परिणामों को समझने में सक्षम थी। न्यायमूर्ति भारती डांगरे की एकल पीठ ने 15 नवंबर को दिए गए अपने आदेश में यह भी कहा कि पीड़िता स्वेच्छा से आरोपी के साथ अपनी मौसी के यहां गई थी। जहां कथित अपराध हुआ था। बता दें कि ये घटना बीते साल हुई थी और उस समय प्रेमिका की उम्र 15 साल थी। अदालत ने की टिप्पणी अदालत ने कहा कि अब तक हुई सुनवाई से ऐसा प्रतीत होता है कि पीड़िता भले ही नाबालिग थी, लेकिन अपने कृत्य के परिणामों को समझने में सक्षम थी और वह स्वेच्छा से आरोपी के साथ उसकी मौसी के घर गई थी। हालांकि वह नाबालिग है और इस तरह के मामले में उसकी सहमति महत्वहीन हो जाती है। अदालत ने आगे कहा कि मौसी के घर वह अपनी इच्छा से आवेदक के साथ शामिल हुई। उसने स्वीकार किया कि वह आवेदक के साथ प्यार में थी, भले ही उसने संभोग के लिए सहमति दी हो या नहीं। यह सबूत का मामला है। अदालत ने आगे कहा कि पीड़ित लड़की ने यौन कृत्य का विरोध किया या नहीं और किस बिंदु पर आरोपी ने उसकी इच्छा के विरुद्ध उसके साथ जबरन यौन संबंध बनाए, यह परीक्षण के समय निर्धारित किया जाएगा। अदालत ने कहा कि आवेदक (आरोपी) भी एक युवा लड़का है और उसके भी मोहभंग की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। ऐसे में उसे आगे कैद में रखने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि उसे अप्रैल 2021 में गिरफ्तार किया गया था और इस मुकदमे के निपटारे में काफी समय लग सकता है। पीठ ने आरोपी को जमानत देते हुए उसे निर्देश दिया कि वह पीड़िता से कोई संपर्क नहीं करेगा और उपनगरीय मुंबई में उसके घर के आस-पास भी नहीं जाएगा।

पटना में तेजस्वी यादव से मिले आदित्य ठाकरे

प्रकाश वेग

महाराष्ट्र । पूर्व मंत्री और शिवसेना उद्धव ठाकरे के नेता आदित्य ठाकरे आज बिहार के दौरे पर हैं। बिहार की राजधानी पटना पहुंचने पर आदित्य ठाकरे ने राज्य के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से मुलाकात की है। यह मुलाकात बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास पर हुई है। आदित्य ठाकरे के साथ शिवसेना की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी भी मौजूद रहे। आदित्य ठाकरे के इस दौरे को लेकर बिहार की राजनीतिक हलचल भी बढ़ गई है। दूसरी ओर बिहार रवाना होने से पहले आदित्य ठाकरे ने कहा था कि तेजस्वी यादव मेरी उम्र के हैं। हम फोन पर लगातार बात करते रहे हैं। आपको बता दें कि आदित्य ठाकरे का आज का यह दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके अलग-अलग मायने भी तलाशी जा रहे हैं। आदित्य ठाकरे के इस दौरे को लेकर बिहार की राजनीतिक हलचल भी बढ़ गई है। दूसरी ओर बिहार रवाना होने से पहले आदित्य ठाकरे ने कहा था कि तेजस्वी यादव मेरी उम्र के हैं। हम फोन पर लगातार बात करते रहे हैं। शिवसेना नेता ने कहा कि जब हम सरकार में थे तो तेजस्वी यादव से हमारी फोन पर बातचीत होती थी। वह विपक्ष में थे। आज हम पहली बार मिलेंगे और पर्यावरण, उद्योग, जलवायु संकट सहित अच्छे कामों के बारे में चर्चा करेंगे। हालांकि, आदित्य ठाकरे के इस दौरे को लेकर भाजपा ने बिहार की सियासत में एक नया मुद्दा उछाल दिया है।

सम्पादकीय

असम-मेघालय में फिर विवाद

असम-मेघालय का पांच दशक पुराना सीमा विवाद, मंगलवार को गोलीबारी और हिंसा में छह लोगों की जान जाने के बाद फिर चिंता का विषय बन गया है। गौरतलब है कि असम-मेघालय सीमा पर मंगलवार को तड़के वन विभाग के अधिकारियों ने लकड़ियां ले जा रहे एक ट्रक को रुकने कहा, लेकिन ट्रक ने भागने की कोशिश की, वन रक्षकों ने उस पर फायरिंग कर दी और उसका टायर पंचर कर दिया। आरोप है कि ट्रक में लकड़ियों का अवैध परिवहन हो रहा था, इसलिए वन विभाग के अधिकारी उसे रोक रहे थे। वन रक्षकों ने ट्रक चालक समेत तीन लोगों को पकड़ लिया, जबकि कुछ लोग भाग गए। पश्चिम कार्बी आंगलोंग के पुलिस अधीक्षक के मुताबिक वन रक्षकों ने घटना के बारे में जिरिकेंडिंग पुलिस थाने को सूचित किया और अतिरिक्त बल की मांग की। जैसे ही पुलिस पहुंची, मेघालय के लोग श्दावश नाम के कटारनुमा हथियार और अन्य शस्त्रों से लैस होकर बड़ी संख्या में सुबह पांच बजे के आसपास घटनास्थल पर जमा हो गए। उग्र भीड़ ने गिरफ्तार लोगों की तत्काल रिहाई की मांग करते हुए वन रक्षकों और पुलिस का घेराव किया, अधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए उन पर गोलीबारी की। जिससे छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में असम के एक वनरक्षक और मेघालय के पांच लोग शामिल हैं। मेघालय सरकार ने मुकोह में गोलीबारी की घटना के बाद 22 नवंबर से 48 घंटों के लिए सात जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं। दो राज्यों के बीच हिंसा की ये घटना मार्च के अंत में हुए उस समझौते के बाद हुई है, जिसे केंद्र सरकार ने ऐतिहासिक करार दिया था। गौरतलब है कि मेघालय और असम के बीच 1972 से सीमा विवाद चला आ रहा है, जो समय-समय पर उग्र होता रहा है। असम और मेघालय 885 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं। मेघालय को असम पुनर्गठन अधिनियम 1971 के तहत असम से अलग किया गया था, हालांकि मेघालय ने हमेशा इसे चुनौती दी है। ऊपरी ताराबारी, गजांग आरक्षित वन, हाहिम, लंगपीह, बोरदुआर, बोकलापारा, नोंगवाह, मातमूर, खानापारा-पिलंगकाटा, देशदेमोराह ब्लॉक ढ्ढ और ब्लॉक ढ्ढढ्ढ, खंडुली और रेटचेरा के क्षेत्रों को लेकर हमेशा विवाद चलता आया है। खासकर असम के कामरूप जिले की सीमा से लगे पश्चिम गारो हिल्स में लंगपीह जिले पर दोनों राज्य अपना दावा ठोंकते हैं। लंगपीह ब्रिटिश औपनिवेशिक काल के दौरान कामरूप जिले का हिस्सा था। लेकिन आजादी के बाद यह गारो हिल्स और मेघालय का हिस्सा बन गया। असम इसे मिकिर पहाड़ियों का हिस्सा मानता है। वहीं मेघालय मिकिर हिल्स के ब्लॉक ढ्ढ और ढ्ढढ्ढ पर सवाल उठाता है। दोनों राज्य इन विवादित क्षेत्रों को लेकर हिंसक झड़पों में उलझ चुके हैं और 50 बरस बीत जाने के बाद भी इस विवाद का कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। 14 मई 2010 को लंगपीह में असम पुलिस के जवानों की गोलीबारी में खासी समुदाय के चार ग्रामीण मारे गए थे और 12 घायल हो गए थे। इसके बाद पिछले साल 26 जुलाई को सीमा विवाद के कारण सबसे भीषण हिंसा हुई थी। जिसमें असम पुलिस के छह जवानों की मौत हो गई थी और दोनों राज्यों के लगभग 100 लोग और सुरक्षाकर्मी घायल हो गए थे। एक देश के दो राज्यों की पुलिस का यूं आमने-सामने आ जाना, एक गंभीर घटना थी। जिस का दीर्घकालिक समाधान निकालने की दिशा में प्रयास होना चाहिए था। मगर यह प्रयास बड़े दावों के बोझ तले दम तोड़ता नजर आ रहा है। जुलाई की घटना के बाद 29 मार्च 2022 को नयी दिल्ली में असम के मुख्यमंत्री हेमंत बस्विा सरमा और मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में सीमा विवाद को खत्म करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए। बताया गया कि विवाद के आधे बिंदुओं को लेकर समझौता हो गया है। दोनों मुख्यमंत्रियों ने इस समझौते को ऐतिहासिक बताते हुए केंद्र सरकार का आभार माना। वहीं गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि 2014 से मोदी जी ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए कई प्रयास किए हैं। मैं असम और मेघालय के मुख्यमंत्रियों और उनकी टीमों को उनके सीमा विवाद को सुलझाने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर करने पर बधाई देता हूं। असम और मेघालय के बीच 50 साल पुराना लंबित सीमा विवाद सुलझ गया है। विवाद के 12 में से 6 बिंदुओं को सुलझा लिया गया है, जिसमें लगभग 70 प्रतिशत सीमा शामिल है। शेष 6 बिंदुओं का जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा। विवाद के आधे बिंदुओं पर भले ही समझौता हो गया था, लेकिन आधे बिंदु अब भी शेष थे, लेकिन विवाद सुलझाने का श्रेय लेने की हड़बड़ी सत्ताधीशों में दिखाई दी। दो मुख्यमंत्रियों ने समझौता पत्र पर भले हस्ताक्षर कर लिए हों, लेकिन दोनों राज्यों की जनता के बीच क्या सौहार्द्र कायम हो पाया, इस बात पर संभवतरू ध्यान नहीं दिया गया। इसलिए समझौते के साल भर बीतते न बीतते फिर से एक हिंसक घटना हो गई।

टेरर फंडिंग पर अंकुश बहुत जरूरी

सुशांत सरीन

पिछले दिनों भारत में हुए नो मनी फॉर टेरर सम्मेलन से यह इंगित हो गया कि आतंक को आर्थिक और वित्तीय सहयोग मुहैया कराने के मसले को दुनियाभर में गंभीरता से देखा जाने लगा है. यह सभी समझने लगे हैं कि विश्व में कहीं भी जो आतंकी गतिविधियां चल रही हैं, उनका अहम पहलू उनकी फंडिंग है. आतंकियों को बहाल करने, उन्हें प्रशिक्षण देने, साजो-सामान खरीदने, ठिकाने बनाने, यात्राएं करने, हमले की तैयारी करने आदि के लिए पैसों की जरूरत होती है. बिना वित्तीय मदद के कोई भी आतंकी संगठन अधिक समय तक नहीं चल सकता है. यह अब सब समझने लगे हैं कि आतंक के लिए हथियार ही नहीं, पैसों की भी जरूरत होती है. अब सवाल यह है कि इसे रोका कैसे जाए. इस संबंध में फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) बनाया गया है. उसके अलावा यह पहल भी हुई थी, जिसकी बैठक भारत में अभी हुई है. कुछ साल पहले इसका अधिवेशन हुआ था, पर बीच में कोरोना महामारी के कारण प्रक्रिया बाधित हो गयी थी. इस पहल का उद्देश्य उन उपायों को निर्धारित करना है, जिनसे आतंक को मिलने वाले आर्थिक सहयोग को रोका जा सके. टेरर फंडिंग को रोकना है, तो वह कोई देश अकेले नहीं कर सकता है. इसे प्रभावी होने के लिए सभी देशों के आपसी सहयोग की आवश्यकता है. इस लिहाज से श्नो मनी फॉर टेररश सम्मेलन एक अच्छी पहल है. इससे कई देश जुड़ रहे हैं और वे परस्पर सहकार के लिए मन भी बना रहे हैं. लेकिन अभी तक इस संबंध में कोई सांगठनिक संरचना नहीं बन पायी है, जैसा संगठन एफएटीएफ का है. पर यह सम्मेलन इस लिहाज से अहम है कि इसमें टेरर फंडिंग के नये-नये तरीकों और उन्हें रोकने से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा हुई है. यह बहुत महत्वपूर्ण है कि विभिन्न देश अपने अनुभवों से एक-दूसरे को अवगत करा रहे हैं तथा परस्पर सीख भी ले रहे हैं. भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर टेरर फंडिंग के मुद्दे को लगातार उठाया है, लेकिन हमारे देश में इसकी गंभीरता का अहसास बहुत देर से हुआ है. जब से केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनी है, तभी से इस मसले को दुनिया के सामने जोर-शोर से उठाया जा रहा है. पहले यह समझदारी मुख्य थी कि अगर आतंक की रोकथाम करनी है, तो आतंकी समूहों के हथियारों को पकड़ा जाना चाहिए. अगर आप असलहा पकड़ लेंगे, तो आप आतंकवाद की कमर तोड़ देंगे, यह सोच हावी थी. इसीलिए आर्म्स एक्ट जैसे कानून लाये गये थे. बाद में यह अहसास हुआ कि हथियारों को पकड़ने की जरूरत तो है, पर फंड को रोकने की भी अहमियत है. जब से भारत इस आयाम से अवगत हुआ है, तब से फंडिंग रोकने पर बहुत बल दिया जाने लगा है. भारत में भी आप देखें, तो दस्तावेजीकरण की कोशिश हो रही है, पर पूरी तरह से नहीं हो पाया है. फिर भी हमारे तंत्र में इस पहलू पर बहुत काम हुआ है. मेरा मानना है कि गिलास अभी आधा ही भरा हुआ है. प्रधानमंत्री मोदी की यह बात बिलकुल सही है कि उनकी सरकार आने के बाद इस मुद्दे को चर्चा के केंद्र में लाया गया है. हमारे देश में तीस वर्षों से अधिक समय से आतंकवाद चल रहा है. आतंकवाद से जुड़े लोगों ने बहुत पैसा भी बनाया है. कश्मीर में तो आतंकवाद एक उद्योग का रूप ही ले चुका है. जितने भी आतंकी सरगना हैं, वे रेहड़ी चलाते थे, पर आज वे शॉपिंग मॉल और रियल इस्टेट के मालिक बने हुए हैं. इन्होंने पैसा हर जगह और हर तरीके से बनाया है. इन लोगों ने भारत सरकार से भी पैसा लिया कि हम ये करेंगे और वो नहीं करेंगे. फिर पाकिस्तान से तो इन्हें पैसे मिले ही हैं. ये लोग आपराधिक नेटवर्किंग से भी जुड़ जाते हैं. बिना पैसे के कोई भी आतंकी गिरोहों में शामिल नहीं होता है. जब कश्मीर में पत्थरबाजी होती थी, तब उसका भी रेट होता था. जब पैसे को रोकने की कोशिश हुई, तो कश्मीर में बहुत सी चीजें होनी बंद हो गयी हैं. पंजाब में दहशतगर्दी के दौर में हमने देखा था, वह दौर फिर से लौटता हुआ दिख रहा है, उसमें पैसे की बड़ी भूमिका होती थी क्योंकि अपराधी भी उसका हिस्सा बन जाते हैं. पंजाब में अब जो हालात हैं, उसमें नशीले पदार्थों की तस्करी का पहलू भी बड़े पैमाने पर जुड़ गया है. उससे आने वाले धन का कुछ हिस्सा अपराधियों को जाता है और बाकी धंधे को बढ़ाने में इस्तेमाल होता है, जिसमें दहशतगर्दी भी शामिल है. माओवादी संगठनों के बारे में भी आकलन है कि वे कहां-कहां से पैसे कमाते हैं. बीड़ी पत्ते के धंधे, लकड़ी की चोरी, उगाही आदि उनकी आमदनी के स्रोत हैं. अगर यह पैसा नहीं होगा, तो वे अपना संगठन नहीं चला सकते. पूर्वोत्तर के राज्यों में गिरोहों का उगाही का व्यापक नेटवर्क रहा है. इसीलिए अब फंडिंग पर बहुत अधिक ध्यान दिया जा रहा है क्योंकि समझ में यह बात आ गयी है कि यह तो नया उद्योग, नया व्यवसाय बन चुका है. इसे रोकने का एक ही तरीका है कि इस पैसे पर हाथ डाला जाए. आतंक में बाहरी स्रोतों से आने वाले पैसे की बड़ी भूमिका है. अब हर जगह यह नियम है कि आप नगद में एक सीमित राशि लेकर ही आ-जा सकते हैं. वैश्वीकरण के इस युग में पैसे को एक जगह से दूसरी जगह भेजना आसान हो गया है और अगर आप छोटी-छोटी मात्रा में रकम विभिन्न खातों में भेजें, तो वह राडार पर भी नहीं आ पाता. पैसा ट्रांसफर करने के नये-नये जरिये भी बन गये हैं, चाहे वह इंटरनेट के माध्यम से हो या ऐप या क्रिप्टोकरेंसी के द्वारा हो. छोटी छोटी रकम को किसी एक जगह पर इकट्ठा किया जा सकती है, पर छोटी रकम की निगरानी कठिन है. आपके पास ऐसे तरीके हैं, जिन्हें बिग डाटा एनालिटिक्स कहते हैं, जिनके इस्तेमाल से आप ऐसा तंत्र बना सकते हैं, जिससे पैसे को ट्रेस किया जा सके क्योंकि चाहे जैसे भी पैसा आये, वह कहीं न कहीं वैध बैंकिंग से होकर जाता है.टेरर फंडिंग पर अंकुश बहुत जरूरी भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर टेरर फंडिंग के मुद्दे को लगातार उठाया है, लेकिन हमारे देश में इसकी गंभीरता का अहसास बहुत देर से हुआ है. जब से केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनी है

भारत और वैश्विक मंदी

कई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं जहां आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही हैं, वहीं इस वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने की संभावना है. इस दर के साथ भारत सबसे अधिक गति से विकास करने वाला देश है. हमारे देश में भी मुद्रास्फीति की समस्या है, पर वह अनेक विकसित और विकासशील देशों से बहुत कम है. कोरोना महामारी से उत्पन्न स्थितियों का सामना भी हमने सफलतापूर्वक किया है. लेकिन आज वैश्विक अर्थव्यवस्था के तार इस हद तक परस्पर जुड़े हुए हैं कि अंतरराष्ट्रीय बाजार की हलचलों के असर से भारत भी पूरी तरह मुक्त नहीं हो सकता है. रूस-यूक्रेन युद्ध तथा आपूर्ति श्रृंखला में अवरोध के कारण दुनिया के अनेक हिस्से में ऊर्जा और खाद्य संकट की स्थिति पैदा होने की आशंका जतायी जा रही है. इसका सबसे अधिक आर्थिक और वित्तीय प्रभाव विकसित अर्थव्यवस्थाओं पर दिख रहा है. ऐसे में कई विशेषज्ञ, उद्योग एवं वित्त जगत से संबद्ध लोग तथा कारोबारी आशंका जता रहे हैं कि वर्तमान संकट आर्थिक मंदी में बदल सकता है. भारतीय रिजर्व बैंक तथा केंद्रीय वित्त मंत्रालय की ओर से लगातार यह भरोसा दिया जाता रहा है कि मंदी के आसन्न दौर का असर भारत पर नहीं होगा. कई जानकार यह भी मान रहे हैं कि अगर प्रभाव पड़ता भी है, तो वह मामूली ही होगा. अधिक से अधिक यह हो सकता है कि आर्थिक वृद्धि दर अगले वित्त वर्ष में कुछ कम हो जाए. फिर भी फरवरी में प्रस्तुत होने वाले केंद्रीय बजट की तैयारियों में मंदी की आहटों का संज्ञान लिया जायेगा, ऐसी आशा है. मुद्रास्फीति से निपटने के लिए अमेरिका समेत अनेक विकसित देशों में भी ब्याज दरों में बढ़ोतरी की गयी है. हाल ही में रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि अगर ये देश इस तरह दरें बढ़ाते रहेंगे, तो वैश्विक वित्तीय बाजार पर असर पड़ेगा. इस कारण भारतीय बाजार से पूंजी का पलायन चिंता का कारण रहा है. रुपये की तुलना में डॉलर की बढ़ती कीमतों को अभी तो नियंत्रित कर लिया गया है, पर आगे की संभावनाओं और आशंकाओं के बारे में अनुमान लगाना कठिन है. आयात बढ़ने और निर्यात घटने से व्यापार घाटा में वृद्धि भी चिंता की बात है. वैश्विक मंदी की स्थिति में भारत वस्तुओं के दाम में कमी का फायदा उठा सकता है।

असाधारण खिलाड़ी थे पेले और माराडोना

फीफा वर्ल्ड कप शुरू होते ही फुटबॉल के जानकारों तथा प्रेमियों में बहस छिड़ चुकी है कि महानतम फुटबॉलर पेले थे या माराडोना. इस पर कभी कोई एक राय बनने की संभावना कम है. ब्राजील के पेले के चाहने वाले कहते हैं कि वे ही महानतम हैं क्योंकि वे तीन बार वर्ल्ड कप जीतने वाली ब्राजील टीम के सदस्य रहे. उन्हें साल 2000 में फीफा फ्लेयर आफ द सेंचुरी का भी सम्मान मिला. माराडोना सिर्फ एक वर्ल्ड विजेता टीम में रहे. उन्हें 1986 वर्ल्ड कप का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी होने का गौरव भी मिला था.पर क्या पेले को मुख्य रूप से इसी आधार पर सर्वकालिक महानतम खिलाड़ी माना जाए क्योंकि वे तीन बार जीतने वाली टीम के सदस्य थे? वे 1958 में ब्राजील की टीम में थे. वे तब 17 साल के थे. वे 1962 और 1966 के वर्ल्ड कप में चोटिल होने के कारण खास जौहर नहीं दिखा सके थे, पर 1970 में अपने पीक पर थे. पर उस टीम के बारे में कहा जाता है कि वो वर्ल्ड कप में खेली महानतम टीम थी और पेले के बिना भी वर्ल्ड कप जीतने का दम रखती थी. उस टीम में गर्सन, टोस्टओ, रेविलिनिओ और जेरजिन्हो जैसे महान फारवर्ड खिलाड़ी शामिल थे.माराडोना ने 1986 में विश्व कप अपने दम पर दिलवाया था. उनकी टीम औसत थी. उनके द्वारा क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड के विरुद्ध और सेमीफाइनल में किये लाजवाब गोल अब फुटबॉल इतिहास की थाती बन चुके हैं. माराडोना ने फाइनल में जर्मनी के खिलाफ भी मजे-मजे में गोल किया था. यह समझना चाहिए कि फुटबॉल का मतलब बड़ा शॉट खेलना नहीं है. बड़ा खिलाड़ी वही है, जो ड्रिबलिंग में माहिर है. उसे ही दर्शक देखने जाते हैं. इस लिहाज से पेले और माराडोना बेजोड़ रहे हैं. पेले के दोनों पैर चलते थे. उनका हेड शॉट भी बेहतरीन होता था. पेले के 1970 में इटली के खिलाफ फाइनल में हेडर से किये गोल को याद करें. उस फाइनल में एक गोल कार्लोस एलबर्टो ने पेले की ही पास पर किया था. मारोडाना का सीधा पैर कतई काम नहीं करता था. उनका हेडर भी सामान्य रहता था. उन्हें महान बनाता था बायां पैर. अगर गेंद उनके बायें पैर पर आ गयी, तो फिर उन्हें रोकना असंभव था.उनका गेंद पर नियंत्रण और विरोधी खिलाड़ी को छकाने की कला दुबारा देखने को नहीं मिलेगी. पेले के पास भी लाजवाब ड्रिबलिंग कला थी, पर माराडोना से वे उन्नीस माने जायेंगे. फ्री किक में भी माराडोना पेले से आगे जाते थे. उनका अपनी टीम पर गजब का प्रभाव था. हां, पासिंग और रफ्तार में दोनों का कोई सानी नहीं हुआ. पेले ने अपने करियर में 760 गोल किये, जिनमें से 541 लीग मैचों के थे. इस कारण वे सर्वकालीन सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी माने जाते हैं. कुल मिलाकर पेले ने 1363 खेलों में 1281 गोल किये. वैसे इन आंकड़ों को चुनौती भी मिलती है. इस मोर्चे पर माराडोना कमजोर नजर आते हैं. पेले खुद गोल करने के लालच में नहीं रहते थे. वे साथी खिलाड़ियों को गोल करने के बेहतर अवसर देते थे. माराडोना ने वर्ल्ड कप में 91 मैच खेलकर 34 गोल दागे, पर उनकी एक विशेषता यह थी कि वे बिग मैच प्लेयर थे. वे अहम मैचों में छा जाते थे. वे कमजोर टीमों के खिलाफ जौहर नहीं दिखा पाते थे. अगर मैदान से हटकर बात करें, तो पेले अर्जेंटीना के सुपर स्टार को पीछे छोड़ते हैं. फुटबॉल के बाद पेले सामाजिक कार्यों से जुड़ गये और ब्राजील में भ्रष्टाचार से लेकर गरीबी के खिलाफ लड़ते रहे. उन्हें 1992 में पर्यावरण के लिए संयुक्त राष्ट्र का राजदूत नियुक्त किया गया तथा 1995 में यूनेस्को का सद्भावना राजदूत बनाया गया. पेले ने ब्राजीली फुटबॉल में भ्रष्टाचार कम करने के लिए एक कानून प्रस्तावित किया, जिसे पेले कानून के नाम से जाना जाता है. माराडोना ने किसी सामाजिक आंदोलन से अपने को नहीं जोड़ा. वे नशे के आदी रहे तथा 1986 वर्ल्ड कप में इंग्लैड के खिलाफ किये हैंड ऑफ गॉड गोल से उनकी प्रतिष्ठा धूमिल भी हुई. पर इससे उनके महानतम होने पर सवाल खड़ा करना गलत होगा. दोनों का बचपन अभावों में गुजरा. जहां माराडोना बड़बोले रहे हैं, वहीं पेले बेहद शांत और विनम्र. माराडोना और पेले के भारत में भी करोड़ों प्रशंसक हैं. दोनों भारत आ चुके हैं और दोनों भारत को प्रेम करते रहे. साल 2008 और 2017 में माराडोना भारत आये थे. साल 1975 में पेले भारत आये थे. यह भी जानना दिलचस्प है कि पेले, माराडोना, रोजर फेडरर, मोहम्मद अली, कपिल देव या इमरान खान कैसे बना जाता है. इसका उत्तर तलाश करने के लिए बहुत मशक्कत करने की जरूरत नहीं है. सभी खिलाड़ी मेहनत करते हैं. पर अच्छा प्रदर्शन करने के बाद भी सब महान नहीं कहलाये जाते. वे ही महान माने जाते हैं, जो बिग मैच प्लेयर होते थे. वे अहम मैचों में छा जाते थे. तब उनका जलवा देखते ही बनता था. बड़े खिलाड़ी का यही सबसे बड़ा गुण होता है कि वे खास मैचों या विपरीत हालातों में छा जाते हैं. ये फाइनल या अन्य खास मैचों के समय अपने हुनर दिखाते हैं.

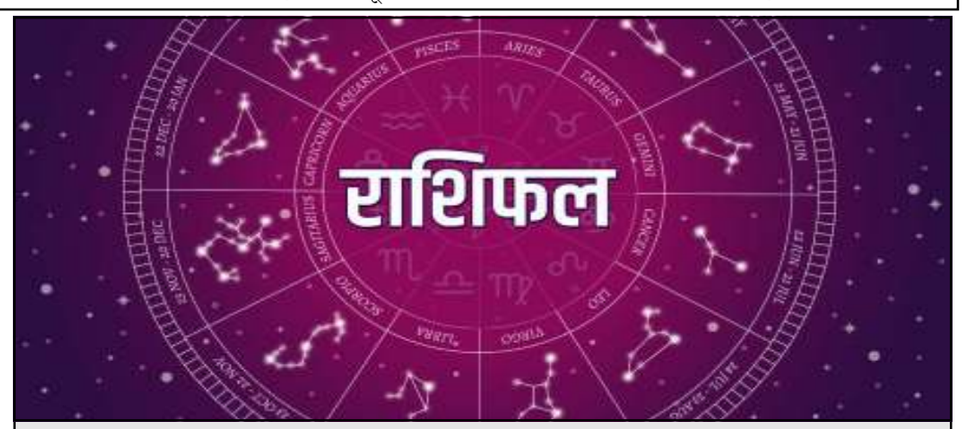

मेषः- परिवार में दूसरों में कमियां निकालने के बजाय स्वयं को सुधारने का प्रयास करें। सब कुछ छोड़ परिवार को बचाने की चेष्ठा करें। कायरे के अत्याधिक बोझ से मन बोझिल होगा। जीविका में लाभ के आसार हैं।

बृषभः- बड़ो से वाद-विवाद न करे। वैवाहिक संबंध बनने की प्रक्रिया में गति आयेगी। आय के साधन सुलभ होंगे। परिवार में किसी की अस्वस्थता से मन चिंतित होगा। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्क रहें।

मिथुनः- शासन-सत्ता एवं राजकीय क्षेत्र से जुड़े लोगों की क्रियाशीलता बढ़ेगी। पुरानी बातों को लेकर मन परेशान होगा। काफी दिनों से प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। अपने स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

कर्कः- रोजगार में कुछ नये आसार उत्साहवर्धन करेंगे। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही न बरतें। खानपान में परहेज रखें। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में प्रयत्न सार्थक होगा। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

सिंहः- कुछ नये शक्तिवान लोगों से निकटता बढ़ेगी। पारिवारिक दायित्वों की समय से पूर्ति हेतु प्रयत्नशील होंगे। जीविका में प्रगति के आसार हैं। अनावश्यक व्यय पर नियंतण्रखें। जीवनसाथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

कन्याः- व्यावसायिक क्षेत्र में प्रगति के अच्छे आसार बनेंगे। कुछ व्यावसायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख-सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। राजनीति से जुड़े लोगों को लाभ मिलेगा।

तुलाः- कुछ नये मागरें से प्रगति के आसार बढ़ेंगे। नये कार्यों में पूंजी निवेश हेतु धनाभाव अवरोधक हो सकता है। आय के साधन सुलभ होंगे। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ संभव। पारिवारिक वातावरण सुखद होगा।

वृश्चिकः- पुरानी बातों को सोचकर मन भाव-विभोर होगा। निराशा प्रगति में बाधक है। अतः इसे छोड़ने का प्रयत्न करें। नये व्यावसायिक संबंध प्रगाढ़ होंगे। परिश्रम से आर्थिक लाभ का योग है।

धनुः- पारिवारिक कार्य में अवरोधों से मन खिन्न होगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जीवन का अनुसरण करें। कमजोर मनोबल के कारण मन में शंकाओं का जन्म संभव। व्यावसायिक क्षेत्र में प्रतिभा निखरेगी।

मकरः- निकट संबंधों में जो गलतियां हुई हैं, उन्हें सुधारने की चेष्टा करें। आपका अस्थिर मन मूल्यवान समय को व्यर्थ के कायां में गंवायेगा। शिक्षा की दिशा में समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन चिंतित होगा।

कुंभः- काफी दिनों से अवरेधित कोई कार्य हल होने के आसार बनेंगे। जीविका में सामान्य व्यस्तता रहेगी। सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा।

मीनः- कुछ नये लाभ से उत्साह बढ़ेगा। पुरानी बातों को सोच अपनी उर्जा का ह्रास न करें। सघर्ष के दिन बीतने वाले है और प्रगति के नए द्वार खुलने वाले हैं। काफी दिनों से अवरोधित महत्वपूर्ण कार्य हल होने के आसार बनेंगे।

सिंगल चाइल्ड की इन तरीकों से करें पेरेंट्स परवरिश, बच्चा नहीं करेगा अकेला महसूस

सिंगल चाइल्ड का फैसला भले ही पेरेंट्स का हो लेकिन कई बार बच्चे इस चीज के कारण मानसिक समस्याओं के शिकार हो जाते हैं। सिंगल चाइल्ड गुस्सैल स्वभाव, इंट्रोवर्ट, चिड़चिड़ापन, जैसे लक्षण नजर आते हैं। अपनी उम्र के बच्चे यानी की भाई या कोई बहन न होने के कारण बच्चा अपने आप को अकेला महसूस करने लगता है। कई बार तो बच्चा इतनी परेशानी ले लेता है कि डिप्रेशन में भी चला जाता है।

अगर आपका बच्चा भी सिंगल चाइल्ड है तो आप इन तरीकों से उसकी केयर कर सकते हैं।

पेरेंट्स रखें इन बातों का ध्यान

यदि आपका भी बच्चा सिंगल चाइल्ड है तो आप उसका ध्यान रखें। ज्यादा समय न दे पाने के कारण बच्चे डिप्रेशन का शिकार होने लगते हैं। अपनी उम्र के भाई या फिर बहन न होने के कारण भी वह तनाव भी महसूस करते हैं। अकेले रहने से बच्चे बाहरी दुनिया से भी दूर रहने लगते हैं। एंग्जाइटी का भी बच्चे शिकार हो सकते हैं।

इन तरीकों से करें बच्चे की परवरिश

बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, भावनाएं, पारिवारिक रिश्ते, भविष्य आदि से जुड़ी चीजों के बारे में समय-समय पर भी जानकारी देते रहें। इकलौते बच्चे माता-पिता के लाडले होते है लेकिन इन्हें बिगाड़े न। बच्चों की समस्याओं को नजरअंदाज भी न करें। उनके दोस्त बनकर रहें। कुछ बातों में बच्चे का साथ दें और कुछ बातों को नजरअंदाज कर दें।

मन की बात करें

इकलौते बच्चे डिप्रेशन का भी शिकार हो सकते हैं। ऐसे में आप उन्हें समय दें। उनके साथ ज्यादा सख्त व्यवहार न करें। ताकि बच्चा आपसे मन की बात कर सके।

किसी एक्सपर्ट्स के करें कंसल्ट

यदि आपको बच्चे के व्यवहार में कोई फर्क देखने को मिल रहा है तो आप उसे किसी साइकोलॉजिस्ट या फिर कॉउंसलर के पास जरुर लेकर जाएं।

स्पेशल फील करवाएं

अगर आपको बच्चा शांत नजर आता है तो आप उसे खुद का महत्व समझाएं। आप बच्चे को स्पेशल फील करवाना न भूलें।

जरुर दें समय

आप बच्चे को अपना समय जरुर दें। अक्सर माता-पिता बच्चे को कोई काम देकर किसी ओर चीजों में व्यस्त हो जाते हैं।

ऐसे में आप बच्चे को अपना पूरा समय दें। उसे नजरअंदाज न करें। इससे बच्चा आपके दिल की बात समझेगा और मन की बात भी जरुर शेयर करेगा। एक बच्चे की जिम्मेदारी भी थोड़ी कम होगी। ऐसे में आप बच्चे के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताएं ताकि वह अकेला महसूस न करे।

सर्दियों में इस तरह बनाएं सरसों का साग, स्वाद आएगा मजेदार

सर्दियों में ढेर सारी हरी पत्तेवाली सब्जियां मिलती हैं। जिसे खाने से ना केवल सेहत अच्छी रहती है बल्कि ये खाने में काफी स्वादिष्ट भी लगती है। पंजाब का सरसों का साग काफी मशहूर सब्जी है। लेकिन अक्सर घ? में हम साग को बनाने से बचते हैं। क्योंकि ज्यादातर सरसों का साग बनाने पर वो स्वाद नहीं आता है। अगर आपको सरसों का साग पसंद है लेकिन वो स्वाद नहीं आ पाता। तो जानें कैसे तैयार होगा सरसों का साग। सरसों का साग बनाने के लिए सरसों के पत्तों के साथ पालक और बथुआ को भी मिलाया जाता है। तो चलिए जानें सरसों के साग की टेस्टी सब्जी। सरसों का साग बनाने की सामग्री सरसों के पत्ते 500 ग्राम, पालक 150 ग्राम, बथुआ सौ ग्राम, टमाटर 250 ग्राम, प्याज एक, लहसुन की कलियां चार से पांच, हरी मिर्च दो से तीन, अदरक दो इंच का टुकड़ा, सरसों का तेल दो चम्मच, देसी घी दो चम्मच, हींग दो चुटकी, जीरा आधा चम्मच, हल्दी पाउडर, मक्के का आटा एक चौथाई कप, लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादानुसार, गुड़ छोटा टुकड़ा। सरसों का साग बुनाने के लिए सबसे पहले सरसों और हरे पत्ते को उबाल लें। उबालने से पहले सरसों के पत्ते, पालक के पत्ते और बथुआ के पत्तों को अच्छी तरह से धो लें। इसे धोने के लिए आप छलनी का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। जिससे कि सारी गंदगी निकल जाए। सारे पत्तों को एक जगह रख लें और चाकू की मदद से काट लें। अब कूकर में सारे पत्तों को डालें और एक कप पानी डालकर गैस पर रख दें। एक दो सीटी आने के बाद गैस बंद कर दें। तड़का लगाने से पहले मसाले को तैयार कर लें। इसके लिए मिक्सी में प्याज, टमाटर, हरी मिर्ची, लहसुन, अदरक को बारीक पीसकर पेस्ट बना लें। अब कड़ाही को गैस पर रखें ओर थोड़ा सा तेल डालकर गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए तो इसमे मक्के के आटे को डालकर सुनहरा भून लें। फिर इसे कटोरी में निकालकर रख लें। एक बार फिर तेल डालें और गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए तो जीरा चटकाएं। चटकने के बाद हल्दी पाउडर डालें। साथ में प्याज और लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें। इसे तबतक भूनें जबतक कि ये तेल ना छोड़ दे। कूकर की सीटी को निकालकर ब्लेंडर से सारे पत्तों को मिला लें। इन उबले पत्तों को मिलाते समय इसमे गुड़ डाल दें। अच्छी तरह मिलाने के बाद प्याज के तड़के वाली कड़ाही में इसे डालकर मिलाएं। साथ में मक्के का आटा भी डाल दें। स्वादानुसार नमक डालें और पांच से छह मिनट तक पकने दें। गैस बंद कर दें और गर्मागर्म मक्के की रोटी या फिर आटे की रोटी के साथ भी परोस सकती हैं।

खजूर के ये गुण बनाते हैं इसे बेहद लाभकारी, ऊर्जा और खून बढ़ाने में इसके सेवन से मिलता है फायदा

खजूर को बेहद स्वास्थ्यवर्धक सूखे मेवों में से एक माना जाता है। प्राकृतिक रूप से मिठास युक्त खजूर, पोषक तत्वों का समृद्ध स्रोत है जिससे सेहत को कई प्रकार के लाभ हो सकते हैं। थकान और कमजोरी जैसी समस्याओं को दूर करने, शरीर को ऊर्जा देने के साथ इसका सेवन शरीर में रक्त की मात्रा को बढ़ाने में भी मददगार हो सकता है। इसे फाइबर, पोटैशियम और कॉपर जैसे तत्वों से भरपूर माना जाता है जिसकी हमारे शरीर को बेहतर ढंग से काम करते रहने के लिए रोजाना जरूरत होती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को रोजाना आहार में इस ड्राई फ्रूट को जरूर शामिल करने की सलाह देते हैं। खजूर में फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट के अलावा कई विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर मात्रा में होते हैं, हालांकि इनमें कैलोरी की भी अधिकता होती है। नियमित रूप से खजूर के सेवन करने की आदत शारीरिक कमजोरी के दूर करने और पाचन तथा संक्रमण की समस्याओं को कम करने में आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। खजूर का ग्लाइसेमिक इंडेक्स (43) भी कम होता है, ऐसे में डॉक्टर की सलाह पर डायबिटीज में भी इसका सेवन किया जा सकता है। आइए खजूर में मौजूद उन पोषकताओं के बारे में जानते हैं जो इसे कई मामलों में खास बनाते हैं।

खूजर में एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा

स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को आहार में एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा बढ़ाने की सलाह देते हैं, ऐसे में खजूर का सेवन करना आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकता है। एंटीऑक्सीडेंट्स, आपकी कोशिकाओं को मुक्त कणों से बचाते हैं, जिससे कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा कम होता है। अंजीर और सूखे प्लम जैसे अन्य सूखे मेवों की तुलना में खजूर में अधिक मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट सामग्री होती है। खजूर में फ्लेवोनाइड जैसे शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो सूजन को कम करने में सहायक हैं, इससे मधुमेह के जोखिम को कम करने में मदद मिलती है।

खजूर में फाइबर की मात्रा

आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त फाइबर मात्रा में खजूर का सेवन करना लाभकारी होता है। शोध के मुताबिक 100 ग्राम की मात्रा में खजूर के सेवन से 7 ग्राम फाइबर प्राप्त होता है। फाइबर कब्ज को कम करने के साथ आपके पाचन स्वास्थ्य को लाभ पहुंचाता है। यह नियमित मल त्याग को बढ़ावा देता है, जिससे पाचन से संबंधित कई प्रकार की बीमारियों का जोखिम कम होता है। फाइबर वाली अन्य चीजों को भी आहार में जरूर शामिल करें।

हड्डियों के लिए फायदेमंद है खजूर

खजूर में फास्फोरस, कैल्शियम और मैग्नीशियम सहित कई खनिज होते हैं, जिन्हें ऑस्टियोपोरोसिस जैसी हड्डियों से संबंधित बीमारियों के जोखिम से बचाने वाला पाया गया है। अध्ययनों में पाया गया है कि खजूर खाने से हड्डियों के घनत्व से संबंधित समस्याओं का जोखिम कम होता है। इसके नियमित सेवन करने वाले लोगों में आर्थराइटिस जैसे विकारों के विकसित होने का जोखिम कम होता है।

ब्लड शुगर को करता है कंट्रोल

खजूर प्राकृतिक रूप से मीठे होते हैं, पर इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, ऐसे में अध्ययनों में इसे डायबिटीज की समस्याओं के जोखिम को कम करने वाला सूखा मेवा माना जाता है। खूजर चूंकि फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है ऐसे में इसके सेवन से मधुमेह की जटिलताओं को कम करने में मदद मिल सकती है। मधुमेह में इसके सेवन से पहले अपने डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें।

शवासन करने का सही तरीका, योगाभ्यास के दौरान न करें ये गलतियां

योगासन शरीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी है। स्वस्थ रहने, बीमारियों से बचाव और रोगों के निवारण के लिए नियमित योगासन का अभ्यास करना चाहिए। कई तरह के योग हैं जो अलग अलग बीमारियों में असरदार हैं। इसमें से एक हैं शवासन। शवासन योग का अभ्यास आमतौर पर योगासनों के समापन में किया जाता है। इस आसन को करने के कई लाभ हैं। शवासन शरीर को रिलैक्स और रिचार्ज करता है। तनाव को दूर करने के लिए भी शवासन का अभ्यास कर सकते हैं। महज पांच मिनट शवासन के अभ्यास से शरीर रिलैक्स महसूस करने लगता है। हालांकि इस योगासन को सही तरीके से किया जाना जरूरी है। अक्सर लोग शवासन करते समय छोटी छोटी गलतियां करते हैं, जो उनके शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकती है। आइए जानते हैं शवासन के अभ्यास का सही तरीका और इस योग करते समय किन गलतियों को नहीं करना चाहिए।

स्टेप 1- शवासन का अभ्यास करने के लिए मैट पर पीठ के बल आराम से लेट जाएं।

स्टेप 2- आंखें बंद करके दोनों टांगों को अलग अलग कर लें। शरीर पूरी तरह से रिलैक्स रखें।

स्टेप 3- ध्यान रखें कि आपके पैरों के दोनों अंगूठे साइड की ओर झुके हों। हाथ शरीर के साथ ही हों लेकिन थोड़ी दूरी पर रखें।

स्टेप 4- हथेलियों को खुला और ऊपर की ओर रखें। धीरे-धीरे शरीर के हर हिस्से की और ध्यान दें और सांस की गति धीमी रखें।

स्टेप 5- मेडिटेशन करते समय अगर आलस आए तो सांस की गति को तेज कर दें। आसन करते समय सोए नहीं।

स्टेप 6- शरीर और सांस पर फोकस रखें। 10-12 मिनट में जब शरीर पूरी तरह से रिलैक्स हो जाए तो नई ताजगी को महसूस कर पाएंगे। अब धीरे धीरे सुखासन की अवस्था में बैठ जाएं और आंखे खोल लें। योगासन के दौरान न करें ये गलतियां खुद से अभ्यास करना भले ही शवासन करना सरल है लेकिन इसे खुद से शुरू नहीं करना चाहिए। हर किसी के लिए यह आसन नहीं है। अगर गर्भावस्था के आखिरी तीन महीने में हैं तो शवासन का अभ्यास न करें। इसके अलावा कमर में चोट होने या कमर का ऑपरेशन हुआ है तो भी शवासन नहीं करना चाहिए। सोना नहीं चाहिए शवासन के अभ्यास से शरीर रिलैक्स होता है।

विटामिन बी12 की कमी बन सकती है बैकपेन का कारण, इन घरेलू तरीकों से पाए दर्द से राहत

कई बार शरीर में इतना दर्द होता है कि सहन करना मुश्किल हो जाता है। खासकर ज्यादा देर तक एक ही पोजीशन में बैठे रहने से, टेढ़े-मेढ़े सोने से या फिर थकान के कारण कमर दर्द होने लगता है। इसके अलावा शरीर में पोषक तत्वों की कमी भी कमर दर्द का कारण बन सकती हैं। विटामिन-बी12 की कमी के कारण शरीर में भी कमर में दर्द हो सकता है। क्योंकि यह ब्लड सेल्स को स्वस्थ रखने और शरीर में एनर्जी बनाए रखने में सहायता करता है। यदि विटामिन बी-12 की कमी हो जाए तो शरीर के कई हिस्सों में दर्द होता है। उन्हीं में से एक है कमर दर्द। कमर दर्द से राहत पाने के लिए आप इन घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

विटामिन-बी 12 की कमी

आप विटामिन-बी 12 की कमी लीवर, टूना फिश, दूध, दही, अंडे, चीज, केले, स्टॉबेरीज और विटामिन-बी 12 जैसी चीजों के जरिए पूरी कर सकते हैं।

कमर दर्द के घरेलू नुस्खे

हर्बल टी

आप हर्बल टी के सेवन से कमर दर्द से राहत पा सकते हैं। यह कमर दर्द से राहत पाने के लिए आपकी मदद करेगी। ग्रीन टी में अदरक के छोटे-छोटे टुकड़े काटकर मिलाएं। दोनों चीजों से तैयार टी को पका लें। इसके बाद इसका सेवन करें। हर्बल टी में पाए जाने वाले एंटीइंफ्लेमेटरी गुण आपको दर्द से राहत दिलाने में मदद करेंगे।

एक्सरसाइज

एक्सरसाइज के जरिए भी आप दर्द से राहत पा सकते हैं। खासकर बैठने और सोने के पॉश्चर का ध्यान रखें।

जब भी आप बैठें तो कंधों को पीछे की ओर सीधा रखकर बैठे। इसके अलावा जरुरत से ज्यादा भी न झुकें। हल्की फुल्की एक्सरसाइज करते रहें। ताकि आपकी हड्डियां अकड़ें ना। ज्यादा देर तक बैठने और खड़े रहने से भी परहेज करें। इन तरीकों के साथ आप कमर दर्द से राहत पा सकेंगे।

गर्म पानी

आप कमर दर्द से राहत पाने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं। नहाने के लिए आप गर्म पानी का इस्तेमाल करें। इसके अलावा गर्म पानी से सिकाई करें। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि पानी ज्यादा गर्म न हो नहीं तो आपकी त्वचा जलेगी।

हल्दी वाला दूध

हल्दी वाला दूध भी आपकी पीठ के दर्द के लिए बहुत ही लाभदायक होता है। इसमें एंटीइंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं जो हड्डियों के दर्द को दूर करने में मदद करते हैं। कमर के निचले हिस्से के दर्द से राहत पाने के लिए आप रात को सोने से पहले हल्दी वाले दूध का सेवन करें। एक गिलास दूध में हल्दी मिलाएं और इसका सेवन करें।

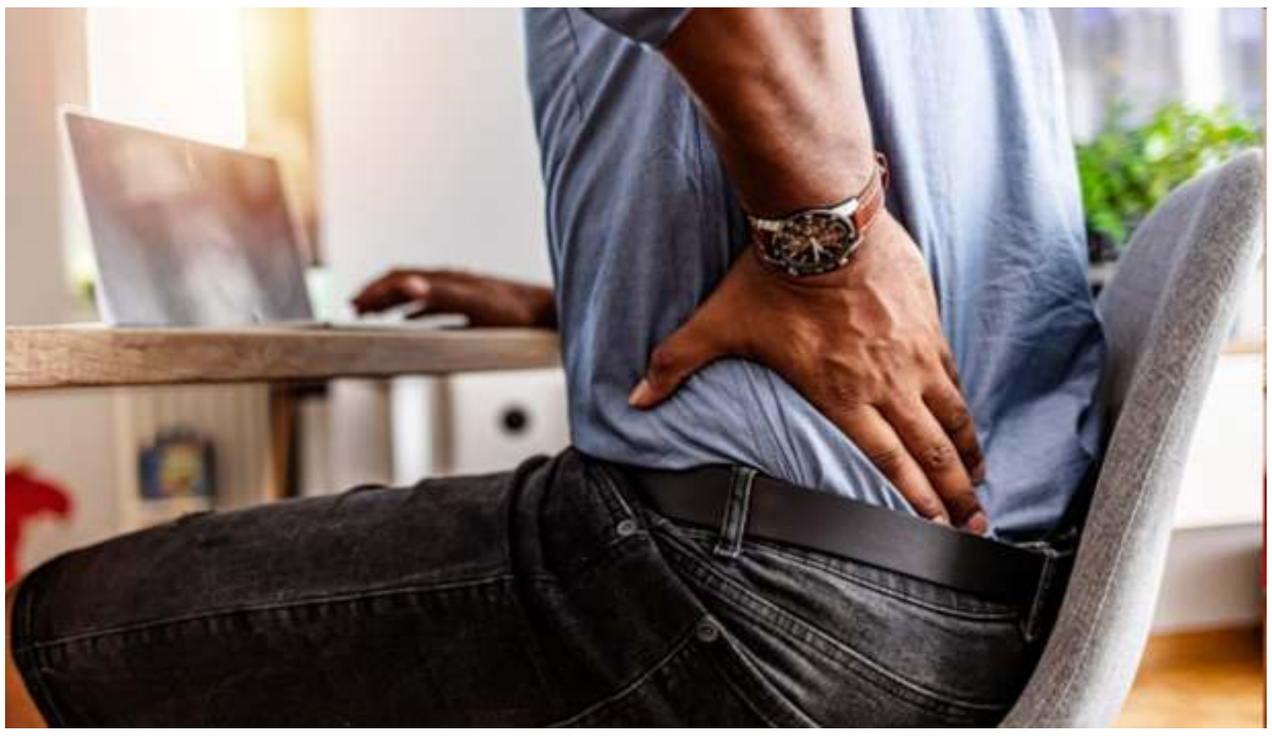

जिलाधिकारी ने उर्वरक विक्रय केंद्र का निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

● जनपद में है उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता:डीएम

● हेल्पलाइन नंबर जारी, उर्वरक अनुपलब्धता से जुड़ी शिकायतें करा सकते हैं दर्ज, होगी त्वरित कार्रवाई

प्रकाश वेग

देवरिया। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने पीसीएफ केंद्र परसिया मिश्र में उर्वरक बिक्री की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि जनपद में उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता है। सप्लाई चेन मैनेजमेंट बेहतर किया जाए जिससे जनपद के सभी उर्वरक केंद्रों पर मांग के अनुरूप उर्वरक उपलब्ध हो सके। जिलाधिकारी ने उप निदेशक कृषि विकेश कुमार पटेल को उर्वरक का सप्लाई चेन मैनेजमेंट प्रभावी रूप से करने का निर्देश दिया। विभिन्न

केंद्रों से हुए विक्रय के डाटा के अनुरूप जनपद के सुदूर क्षेत्रों में स्थापित केंद्रों पर उर्वरक उपलब्ध कराई जाए। यदि किसी केंद्र पर उर्वरक की अनुपलब्धता की सूचना मिले तो तत्काल भेजने की व्यवस्था की जाए। जनपद के कृषकों को उचित दर पर और समय से फास्फेटिक तथा यूरिया उर्वरक उपलब्ध कराने हेतु रबी सीजन में माह नवंबर तक डीएपी लक्ष्य 9308 मीट्रिक टन के सापेक्ष 15727 मीट्रिक टन उपलब्ध है । यूरिया का नवंबर लक्ष्य 11,300 मीट्रिक टन के सापेक्ष 13,544 मीट्रिक टन उपलब्ध है, साथ ही 6911 मीट्रिक टन यूरिया प्रीपोजिशनिंग स्टॉक में उपलब्ध है । जिलाधिकारी ने बताया कि वर्तमान समय में जनपद में सहकारी क्षेत्र के 96 उर्वरक बिक्री केंद्रों पर 297 मीट्रिक टन डीएपी उर्वरक एवं निजी क्षेत्र के 539 उर्वरक बिक्री केंद्रों पर 2740 मेट्रिक टन डीएपी उर्वरक वितरण हेतु उपलब्ध है । किसानों से अनुरोध है कि वे तात्कालिक आवश्यकता अनुसार ही उर्वरकों का क्रय करें, इफको डीएपी के साथ साथ प्राइवेट डीएपी भी निजी उर्वरक दुकानों से निर्धारित दर पर क्रय करें । प्राइवेट उर्वरक भी अच्छी गुणवत्ता की है । 24 नवंबर को इफको डीएपी /एनपीके की एक रैक जनपद को प्राप्त हो रही है तथा आगामी सप्ताह में प्राइवेट कंपनी चंबल ,आईपीएल एवं कोरोमंडल की 3 रैक डीएपी उर्वरक जनपद हेतु आनी है। जनपद में यूरिया एवं फास्फेटिक उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है । कृषकों को उचित दर पर गुणवत्ता युक्त उर्वरक प्राप्त हो तथा कालाबाजारी, ओवर रेटिंग इत्यादि ना हो इसके लिए निजी व सहकारी क्षेत्र के प्रत्येक उर्वरक विक्रय केंद्रों पर कर्मचारियों की तैनाती कर सतत निगरानी रखी जा रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि किसान भाई अपने निकटतम उर्वरक बिक्री केंद्रों पर आधार कार्ड लेकर जाएं और पीओएस मशीन से उर्वरकों की खरीद करें व रसीद के अनुसार उर्वरकों के मूल्य का भुगतान करें। इस अवसर पर उप निदेशक कृषि विकेश कुमार पटेल, एआर कॉपरेटिव अजय कुमार सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद रहे। 'उर्वरक कंट्रोल रूम स्थापित' जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर उर्वरक कंट्रोल रूप की स्थापना की गई है। उप निदेशक कृषि विकेश कुमार पटेल ने बताया कि यदि किसी उर्वरक विक्रेता द्वारा पीओएस मशीन से बिक्री नहीं की जा रही है अथवा अधिक दर पर विक्रय किया जा रहा है या उर्वरक प्राप्त करने में किसी प्रकार की अन्य कोई समस्या आ रही है तो इसकी सूचना जिला कृषि अधिकारी कार्यालय में स्थापित उर्वरक कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 7007087768 पर प्रातः 9 बजे से शाम 6 बजे तक दर्ज कराया जा सकता है। शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

प्राथमिक विद्यालय रूच्चापार में जनपद स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

103 छात्रों को स्कूल बैग हुआ वितरित

प्रकाश वेग

देवरिया । विकास खंड बैतालपुर के प्राथमिक विद्यालय, रूच्चापार में जनपद स्तरीय कार्यशाला के आयोजन के दौरान महिला कल्याण संस्थान के सहयोग से मुख्य विकास अधिकारी ने 103 छात्रों को स्कूल बैग का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने बतौर मुख्य अतिथि कुमार ने कहा कि विद्यालय मे पूर्व की स्थिति से वर्तमान में यहां की सुविधाओं में काफी बदलाव हुआ है। कार्यशाला

में एन0आर0ए ल0एम0 योजनान्तर्गत 32 बी०सी० सखियों को मुख्य विकास अधिकारी ने साड़ियां वितरित की और कहा कि अच्छा कार्य करें जिससे आर्थिक स्थिति सुदृढ हो सके व अपने परिवार एवं बच्चों का देखभाल अच्छी तरह से कर सकें। कार्याशाला में उपायुक्त, श्रम व स्वतः रोजगार, देवरिया, खण्ड विकास अधिकारी, बैतालपुर, खण्ड शिक्षा अधिकारी, बैतालपुर एवं अन्य ग्रामवासीगण उपस्थित रहे।

सीडीओ ने किया बरारी किसान सेवा सहकारी समिति लि0, (गोदाम) बेलावर दुबावर, विकास खण्ड-बैतालपुर का आकस्मिक निरीक्षण

प्रकाश वेग

देवरिया। मुख्य विकास अधिकारी रवींद्र कुमार ने बरारी किसान सेवा सहकारी समिति लि०, (गोदाम) बेलावर दुबावर, विकास खण्ड-बैतालपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय गोदाम के स्टाक रजिस्टर का निरीक्षण किया गया। रजिस्टर के अनुसार यूरिया एवं पोटास खाद उपलब्ध है। सचिव द्वारा बताया गया कि एन०पी०के० खाद 22 नवंबर 2022 से समाप्त हो गया है। रजिस्टर के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है

कि कुछ किसानों के नाम के आगे आधार नम्बर एवं मोबाईल नम्बर दर्ज नहीं किया गया है जिससे संदेह की स्थिति उत्पन्न हो रही है कि खाद किसानों को दिया गया है अथवा किसी अन्य व्यक्ति को दिया गया है। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारी समितियाँ, देवरिया को निर्देशित किया जाता है कि इसकी विस्तृत जॉच करायें यदि सचिव दोषी पाया जाता है तो उनके विरूद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही किया जाए ताकि यह गलती दोबारा न हो सके।

शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित ब्लाक स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता की लकीर पीटते दिखे शिक्षक

प्रकाश वेग

हरदोई। बेनीगंज कस्बे के खेरवा मैदान में बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित ब्लाक स्तरीय

क्रीड़ा प्रतियोगिता की जोर शोर से लकीर पीटते दिखे शिक्षक और बच्चे। खेल मैदान में यूं तो कुल सोलह प्रतियोगिताओं को आयोजित किया जाना था। वहीं एक शिक्षक ने बताया सभी खेलो को आयोजन में शामिल नही किया गया है। ट्रेक एंड फील्ड में सभी दौड़ प्रतियोगिताओं को नही कराया गया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ कोथावां अध्यक्ष शिक्षक अंतरयामी बाजपेई के अनुसार खेरवा मैदान में वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिता में ब्लाक की आठ न्याय पंचायतो के चयनित बच्चों की कुल आठ टीमो ने प्रतिभाग किया। क्रीड़ा शिक्षकों ने खेलो का संचालन किया। यहां अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चों को जिला स्तर पर प्रतिभाग के लिए भेजा जाएगा। खंड शिक्षा अधिकारी कोथावां अजीत प्रताप सिंह ने बताया शासन की मंशा के अनुरूप बजट 2500 के आधार पर उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। शिक्षक महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया सभी न्याय पंचायत के एक एक विद्यलाय से एक एक भगोना खिचड़ी मंगा कर बच्चों को खिलाने की व्यवस्था की गई है। खेल मैदान पर प्रतियोगिता देखने आए मोहित तिवारी उल्जा, सहित तमाम ने बताया इस बार हो रही खेल कूद प्रतियोगिता लकीर पीटने जैसी रही। अनुशासन की कमी के कारण ज्यादातर बच्चे शिक्षकों संग खेल कूद में प्रतिभाग के बजाय उछल कूद मौज मस्ती करते दिखे। पूरे कार्यक्रम पर नजर गड़ाए रखने वाले दर्शकों के अनुसार इस बार हुआ क्रीड़ा प्रतियोगिता कार्यक्रम शिक्षकों और खण्ड शिक्षाधिकारी की मौजदगी में मखौल बन कर रह गया।

गर्दन पर चाकू रख किया निकाह

प्रकाश वेग

लखनऊ। लखनऊ में नाम बदलकर युवक के नाबालिग को प्रेम में फंसाने का मामला सामने आया है। युवक लड़की को फंसाकर हरियाणा ले गया। यहां पर जबरन उसकी गर्दन में चाकू रखकर निकाह किया। जब लड़की काफी देर से घर नहीं आई तो परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने लड़की का मोबाइल ट्रेस कर आरोपी को हरियाणा से अरेस्ट कर लिया। पुलिस जांच के आधार पर लव-जिहाद (धर्म परिवर्तन), रेप धाराएं बढ़ाएगी। पारा इंस्पेक्टर दधिबल तिवारी ने बताया कि पारा निवासी एक परिवार ने पिछले हफ्ते बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। शक के आधार पर आरोपी और पीड़िता की मोबाइल लोकेशन ट्रेस कर किशोरी को हरियाणा से बरामद किया गया। जहां उसको सलमान बंधक बनाकर रखे था। जबरन धर्म परिवर्तन कराकर निकाह किया। शारीरिक शोषण की भी बात सामने आ रही है। पीड़िता के बयान और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आरोपी के खिलाफ धाराओं को बढ़ाया जाएगा। जिसके आधार पर कानूनी कार्रवाई होगी। पुलिस के मुताबिक पारा बजरंग विहार निवासी किशोरी की पास में रहने वाली रोशनी नाम के युवती से दोस्ती थी। उसने ही सलमान से उसको मिलवाया था। पीड़ित किशोरी के मुताबिक सलमान ने अपना श्याम बताया था। उसने अपनी बातों में फंसा दोस्ती की। उसके बाद परिवार को जान से मारने की धमकी देकर हरियाणा ले गया। जहां धर्म परिवर्तन कर निकाह करने का दबाव बनाया। विरोध पर चाकू से गर्दन काट कर घर में ही दफना देने की धमकी दी। इससे डरकर उसकी बातों में आकर निकाह किया। इस दौरान उसने गलत काम भी किया।

लक्ष्मी मार्केट तोड़ने गए एलडीए की टीम से व्यापारियों की नोकझोंक और हंगामा

प्रकाश वेग

लखनऊ। जेनेश्वर पार्क के पास यह मार्केट दिलीप सिंह बिष्ट की है, जिसकी अपील को मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब ने पिछले हफ्ते खारिज कर दिया है। कार्रवाई शुरू होते ही एलडीए टीम और बिल्डिंग मालिक दिलीप सिंह बिष्ट की नोंकझोंक शुरू हो गई। लखनऊ विकास प्राधिकरण की टीम गोमती नगर विस्तार मैं अवैध रूप से बनाई गई लक्ष्मी मार्केट को बुधवार तोड़ने गया, तो मार्केट के मालिक और किसान यूनियन के पदाधिकारियों के बीच नोकझोंक हुई जिसके कारण हंगामा हुआ।

बाजार गई महिला संदिग्ध परिस्थितियों में हुई लापता,

जीआरपी की मदद से मुरादाबाद से मिली

संवाददाता प्रकाश वेग

लखनऊ। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के तेलीबाग बाजार आई महिला संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गई,पीड़ित परिजनों ने पीजीआई कोतवाली पुलिस को तहरीर दी पुलिस ने गुमशुदगी में मामला दर्ज कर परिजनों को तलाश करने को कहा।परिजनों ने महिला का फोन आने के बाद जीआरपी की मदद से महिला को मुरादाबाद से बरामद कर लिया। सुशील कुमार अपने परिवार के साथ डिफेंस कॉलोनी तेलीबाग में रहते हैं। सुशील ने बताया कि उनकी पत्नी मंगलवार दोपहर तेलीबाग बाजार गई थी। दुकान से बाहर निकली वहां मौजूद टैंपो चालक से डिफेंस कॉलोनी मोड़ पर छोड़ने को कहा,आरोप है कि टैंपो चालक ने उन्हें डिफेंस कॉलोनी मोड़ पर नहीं उतारा,गाड़ी में बैठे युवक ने उन्हें बेहोशी की दवा सुंघा दी,जिससे वह बेहोश हो गई। घटना मंगलवार दोपहर बाद 2रू30 से 3रू00 बजे के बीच की है, सुशील कुमार ने बताया कि उनकी पत्नी ने आखिरी कॉल 2रू55 पर की थी। जिसके बाद फोन बंद हो गया था। जानकारी के मुताबिक महिला को पुरानी जेल रोड होते हुए चारबाग से एक ट्रेन पर बिठाया गया था। बताते चलें कि इसी इलाके के एक निजी स्कूल में पढ़ने वाली सुशील कुमार की बेटी का भी दो महीने पहले अपहरण का प्रयास किया गया था, लेकिन स्कूल प्रशासन की तत्परता से बच्ची बच गई थी। उस घटना को भी पुलिस ने गंभीरता से नहीं लिया था। सुशील कुमार सेंट्रल रेल साइट, वेयरहाउस कंपनी लिमिटेड,में कार्यरत हैं। पीड़ित के परिवार जन रात भर लखनऊ शहर के तमाम जगह छानबीन करने के बाद कोई सुराग हाथ ना लगने के कारण निराश हो गए थे। रात भर ढूंढने के बाद कोई जानकारी हाथ नहीं लगी।सिर्फ दुकान से बाहर निकलने की फुटेज मिली थी। होश में आने पर महिला ने दी जानकारी – सुशील कुमार ने बताया कि, उनकी पत्नी ने होश में आने पर फोन कर बताया कि दो युवक थे, जो मुझे जबरन विक्रम टैंपो में बैठाकर चारबाग लाए थे, और बेहोश करके हावड़ा अमृतसर गाड़ी से कहीं लेकर जा रहे थे। ट्रेन में सफर कर रहे लोगों ने मामला संदिग्ध देख कर पूछताछ शुरू कर दी थी,जिससे वह घबराकर भाग निकले थे। इतनी जानकारी मिलते ही परिवार जनों ने डायल 139 पर शिकायत दर्ज कराई। जिस पर जीआरपी ने तत्काल मामले को संज्ञान लेते हुए महिला को सकुशल मुरादाबाद से बरामद किया।परिवार जन मुरादाबाद पहुंचकर गायब हुई महिला को सकुशल बरामद कर घर वापस ले आए। परिवार का आरोप था कि पुलिस के द्वारा कोई मदद नहीं की गई। पुलिस ने सिर्फ गुमशुदगी दर्ज करके अपनी जिम्मेदारी पूरी कर ली थी।पुलिस ने धमकाया तो अब परिवार मामले में कुछ बताने को तैयार नहीं है।इंस्पेक्टर पीजीआई बृजेश कुमार यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि,महिला के गायब होने की सूचना मिली थी,गुमशुदगी में मामला दर्ज किया गया है। अब पता चला है कि महिला मुरादाबाद में ट्रेन से बरामद हुई है।और परिजन उसे घर ले आए हैं।अपहरण किया गया था यह जानकारी नहीं है।

उत्तर प्रदेश सचिवालय पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन का 14 वां वार्षिक अधिवेशन

संवाददाता प्रकाश वेग

लखनऊ। राजधानी के सहकारिता भवन के सभागार में यूपी सचिवालय पेंशनर वेलफेयर एसोसिएशन का 14 वां वार्षिक अधिवेशन संपन्न हुआ अधिवेशन के मुख्य अतिथि प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव अतुल कुमार गुप्ता आईएएस (सेवानिवृत्त)द्वारा दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया अधिवेशन में उपस्थित अतिथियों के सम्मान के उपरांत एसोसिएशन के संरक्षक श्यामसुंदर अग्निहोत्री द्वारा सबका सम्मान किया गया सम्मान की औपचारिकता पूरी होने के बाद के एसोसिएशन की वार्षिक पत्रिका पेंशनर्स परिकल्प –2022 तथा उसके संपादक शिव शंकर द्विवेदी की पुस्तक

अ–मोक्ष का विमोचन किया गया सचिवालय के वरिष्ठ पेंशनर चंद्र किशोर सेवानिवृत्त उपसचिव को शिव शंकर दुबे के पिता की स्मृति में पेंशनर शिरोमणि की उपाधि से सम्मानित करते हुए पेंशनर

के हित में उल्लेखनीय एवं सराहनीय कार्य करने हेतु एसोसिएशन के अध्यक्ष पीके शर्मा को (पेंशनर्स मार्तंड)के कल्याण की उपाधि से सम्मानित किया गया पत्रिका के संपादक के उनके महत्वपूर्ण योगदान हेतु सम्मानित किया गया एन पी त्रिपाठी को पेंशनर्स गौरव की उपाधि से सम्मानित करते हुए देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव के सौजन्य से आनंद प्रकाश को पेंशनर्स प्रभाकर तथा शशि रानी सक्सेना को पेंशनर्स प्रभा की उपाधि से सम्मानित किया गया साथ ही 80 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले सचिवालय पेंशनर्स को अंगवस्त्रम प्रदान करके सम्मानित किया गया सम्मान समारोह समाप्त होने पर विभिन्न वक्ताओं द्वारा विचार व्यक्त किए गए और मुख्य अतिथि द्वारा अधिवेशन की सराहना करते हुए विमोचित पत्रिका एवं पुस्तक के विषय वस्तु को समाज के लिए उपयोगी बताया।

गोदाम में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

फायर ब्रिगेड की 5 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया

संवाददाता विकास सिंह

लखनऊ।पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के आम्रपाली विहार कालोनी,साउथ सिटी स्थित टेंट हाउस के गोदाम में बुधवार शाम करीब 6 बजे भीषण आग लग गई।सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की 5 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया लेकिन तब तक सारा सामान जलकर राख हो गया, वहीं पीजीआई फायर स्टेशन की गाड़ी उतरेठिया अंडर पास पर जाम में फंसी रही।और देर में पहुंची। सलीम की पूजा टेंट हाउस के नाम से आम्रपाली विहार कालोनी में गोदाम है।उनका कहना था कि शाम करीब पांच बजे उनके कर्मचारी गोदाम बंद कर घर चले गए थे, 6 बजे गोदाम से धुंआ उठता देख आस पास के दुकानदारों ने फायर ब्रिगेड को फोन किया, सरोजनी नगर,आलमबाग,हजरत गंज,और पीजीआई फायर ब्रिगेड की 5 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। सलीम का कहना था कि गोदाम में कुछ नहीं बचा है। जो भी था वो जल कर राख हो गया है।

डीएम ने एडीओ पंचायत रुद्रपुर, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत भाटपाररानी तथा पूर्ति निरीक्षक सलेमपुर का वेतन किया बाधित

आई.जी.आर.एस. सन्दर्भों का निस्तारण ससमय न कराये जाने के कारण डिफाल्टर को लेकर की कार्यवाही

प्रकाश वेग

देवरिया। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने आई.जी.आर.एस. सन्दर्भों का निस्तारण ससमय न होने के कारण देवरिया को डिफाल्टर श्रेणी में आने के दृष्टिगत उत्तरदायी एडीओ पंचायत रुद्रपुर, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत भाटपाररानी तथा पूर्ति निरीक्षक सलेमपुर का माह नवम्बर का वेतन अग्रिम आदेश तक के लिए बाधित किया है। जिलाधिकारी ने बताया है कि जन सुनवाई पोर्टल पर प्राप्त मुख्यमंत्री संदर्भ, सी०एम० हेल्पलाइन, आनलाइन संदर्भ, मण्डलायुक्त संदर्भ, पी.जी. पोर्टल भारत सरकार एवं सम्पूर्ण समाधान दिवस तथा जिलाधिकारी जन सुनवाई में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में हुए विलम्ब से जनपद की रैंकिंग प्रभावित होने की दशा में एडीओ पंचायत रुद्रपुर, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत भाटपाररानी तथा पूर्ति निरीक्षक सलेमपुर का माह नवम्बर का वेतन अग्रिम आदेश तक के लिए रोक दिया है।

सीडीओ ने कम्पोजिट ग्राण्ट, एन0पी0एस0 एवं अन्य योजनाओं की किया समीक्षा

कार्यों में तेजी लाते हुए उसे पूर्ण कराकर प्रेरणा पोर्टल पर अपडेट कराने के दिए निर्देश

प्रकाश वेग

देवरिया। मुख्य विकास अधिकारी रवींद्र कुमार के बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित कम्पोजिट ग्राण्ट, एन०पी०एस० एवं अन्य योजनाओं की समीक्षा में 2120 विद्यालयों के सापेक्ष 2107 विद्यालयों में कुल 4569 कार्य प्रारम्भ मिले हैं जिसमें अभी 1836 विद्यालयों में कार्य पूर्ण है तथा 2733 विद्यालयों में कार्य गतिमान है एवं प्रेरणा पोर्टल पर 852 कार्य अपडेट हैं। इनमें विकास खण्ड–बैतालपुर में 3, बरहज में 2, भटनी में 3, भागलपुर में 3, लार में 1, देसही देवरिया में 1, विद्यालयों में कार्य होता नहीं पाया गया। उन्होंने संबंधित खण्ड शिक्षा अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि तत्काल शेष विद्यालयों में कार्य प्रारम्भ करायें तथा पूर्ण कार्यों को प्रेरणा पोर्टल पर अपडेट करायें। कम्पोजिट ग्रांट के अन्तर्गत 1665 विद्यालयों की रंगाई–पुताई में 616 विद्यालयों की रंगाई–पुताई का कार्य पूर्ण है एवं 1049 विद्यालयों की पुगाई–पुताई का कार्य अवशेष हैं। खण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने विकास क्षेत्र के अन्तर्गत अवशेष विद्यालयों में रंगाई–पुताई कार्य में तेजी लाते हुए इसे शीघ्र पूर्ण करायें।

मोहनलालगंज से सांसद कौशल किशोर के भतीजे ने की आत्महत्या

प्रकाश वेग

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय राज्य मंत्री एवं सांसद मोहनलालगंज कौशल किशोर के भतीजे नंदकिशोर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। केंद्रीय मंत्री के लखनऊ स्थित बंगले में नंदकिशोर की लाश फंदे से लटकते हुई मिली। घटना का पता लगने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। पुलिस को लाश के पास से कोई भी सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। जानकारी मुताबिक मामला राजधानी के दुबग्गा इलाके के बिगरिया का है। यहां घटना की सूचना मिलने से मौके पर पहुंचे इंस्पेक्टर दुबग्गा ने बताया कि नंद किशोर के शव को जब उसके भाई ने कमरे में फंदे से लटके देखा तो उसकी चीख निकल गई। उसने आनन-फानन में भाई को फंदे से नीचे उतारा और तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचा। अस्पताल में डॉक्टरों ने चेक अप के बाद नंद किशोर को मृत घोषित कर दिया। पुलिस आत्महत्या से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच-पड़ताल कर रही है। इंस्पेक्टर ने बताया कि नंद किशोर केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर के भतीजे हैं।

किसानों को चेतावनी, अगर जलाई पराली तो नहीं मिलेगा इस खास योजना का लाभ

प्रकाश वेग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कृषि विभाग ने चेतावनी दी है कि वह उन किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ देना बंद कर देगा, जो पराली जलाने में लिप्त पाए जाते हैं, जिससे वायु प्रदूषण होता है। इस तरह की पहली कार्रवाई देवरिया से सामने आई है, जहां बार-बार चेतावनी के बावजूद पराली जलाने के आरोप में विभाग ने 9 किसानों को नोटिस थमा दिया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि देवेश चतुर्वेदी ने कहा कि किसानों को पराली जलाने से पीछे करने के लिए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि यह उन किसानों के लिए सिर्फ एक चेतावनी है जो राज्य सरकार के निदेर्शों का पालन नहीं कर रहे हैं। जानकारी मुताबिक विशेषज्ञों ने कहा कि पीएमकेएसएन के तहत अनुदान रोकने की धमकी योजना के तहत पंजीकृत लगभग 2.83 करोड़ किसानों को डराने के लिए बाध्य है। अधिकारियों ने कहा कि हालांकि राज्य सरकार को किसानों को केंद्रीय अनुदान रोकने की अनुमति देने का कोई प्रावधान नहीं है, लेकिन यह उपाय किसानों को सावधान करेगा।

अधिकार सेना के प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार करेंगे

प्रकाश वेग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की खतौली विधानसभा उपचुनाव में अधिकार सेना के जोनल व मंडल कोऑर्डिनेटर समेत सभी जिला अध्यक्ष पार्टी प्रत्याशी मोहम्मद यूसुफ के समर्थन में प्रचार करने जाएंगे। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने परिपत्र जारी कर दिए हैं। पार्टी के पश्चिमी क्षेत्र प्रमुख सुनील कुमार त्यागी को चुनाव प्रभारी बनाया गया है। वहीं जोनल कोआर्डिनेटर डीएसपी मिश्र व मंडल कोआर्डिनेटर केशव दुबे उप प्रभारी के रूप में चुनाव संचालन का कार्य देखेंगे। युवा कार्यकर्ता मोहम्मद यूसुफ इस उपचुनाव में अधिकार सेना के प्रत्याशी हैं, जिनके नामांकन में पार्टी अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर स्वयं मुजफ्फरनगर गए थे। उनका चुनाव निशान गन्ना किसान है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक सुमन्त शुक्ला द्वारा श्री महावीर ऑफसेट 28 शिवाजी मार्ग हीवेट रोड, लखनऊ से मुद्रित कराकर 283/303 के आरती नगर गढ़ी कनौरा मानक नगर लखनऊ से प्रकाशित। संपादक सुमन्त शुक्ल मो0 9451302627 सह संपादक श्रीमती रेनू शर्मा

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।